THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD MA(Hindi) I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION August to December - 2025	
Course title	**हिंदी साहित्य का इतिहास- आदिकाल से रीतिकाल तक** History of Hindi Literature : Adikal to Ritikal
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAHINC - 400
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for MA courses only)
Day/Time	Monday 11:00 am to 01:00 pm & Tuesday 9:00 am to 11:00 am
Name of the teacher/s	Prof. Shyamrao Rathod (SR) & Dr. Malobika(MB)
Course description	**Include the following in the course description** i) इस प्रश्नपत्र में साहित्य के कालों के नामकरण, विभाजन, सीमांकन और युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर छात्रों में साहित्य विवेक के साथ ही इतिहास विवेक की महत्ता को आधार प्रदान करना है। **ii) उद्देश्य :** ● भाषा, साहित्य एवं इतिहास के अर्तसंबंधों पर विद्यार्थी की योग्यता को विकसित करना। ● साहित्येतिहास की समझ को विकसित करना । ● हिंदी साहित्य की परंम्परा, इतिहास और प्रतिनिधि कवियों से परिचित कराना। ● हिंदी साहित्य का इतिहास के महत्व से परिचय कराकर राष्ट्रीय बोध को विकसित कराना। ● छात्रों में साहित्येतिहास की समझ को विकसित करना है। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● आदिकालीन एवं मध्यकालीन इतिहास की पृष्ठभूमि, उसके वैचारिक आधार और स्वरूप को जान सकेंगे। ● भाक्तिकालीन और रीतिकालीन साहित्येतिहास की प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे। ● हिन्दी साहित्य के विकास की गति और दिशा को रेखांकित करना है। ● आदिकाल से रीतिकाल तक के साहित्यिक विकास यात्रा को व्यवास्थित रूप से समझ सकेंगे। **iii) Learning Outcomes :** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) 1. हिन्दी साहितय के आदिकाल से रितिकाल तक की विशेषताओं को समझना। 2. आदिकाल से रीतिकाल के प्रमुख प्रवृत्तियों एवं परिस्थितियों को जानना। 3. इस काल के प्रमुख कवियों एवं उनके रचनात्मक योगदान से परिचित होना। 1. आदिकाल से रीतिकाल तक के साहित्यिक विकास यात्रा को व्यवस्थित रूप से समझना। 2. साहित्येतिहास की समझ विकसित करना। 3. आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल की परंपरा, इतिहास और प्रतिनिधि कवियों को पूर्णतः समझने में सक्षम होगे। **इकाई-1** ▪ साहित्य का इतिहास दर्शन (साहित्येतिहास) ▪ हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा

	▪ हिंदी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ ▪ हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन -और नामकरण **इकाई-2** ▪ हिंदी साहित्य का आदिकाल – नामकरण और काल-सीमा। ▪ सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, एवं अन्य रचनाओं का भाषिक एवं साहित्यिक वैशिष्ट्य। **इकाई-3** ▪ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल – अवधारणा और काल-सीमा। ▪ भारत में भक्ति आंदोलन का उदय। ▪ भक्ति आंदोलन का स्वरूप, विस्तार एवं प्रभाव। ▪ भक्ति आन्दोलन का स्वरूप, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना, विभिन्न काव्यधाराएँ, उनका वैशिष्ट्य। ▪ निर्गुण और सगुणभक्त कवियों के दार्शनिक सिद्धांतों की व्याख्या। ▪ भक्तिकालीन साहित्य का प्रवृत्तिगत अध्ययन। ▪ भक्तिकालीन साहित्य का भाषिक वैशिष्ट्य। ▪ राम और कृष्ण काव्य, राम कृष्ण काव्येतर काव्य, भक्ति से अन्य प्रवृत्ति का काव्य। ▪ भक्तिकालीन गद्य साहित्य। **इकाई-4** ▪ हिंदी साहित्य का रीतिकाल – नामकरण और काल-सीमा। ▪ दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य। ▪ रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की अवधारणा। ▪ रीतिकालीन साहित्य का भाषिक वैशिष्ट्य। ▪ रीतिकालीन साहित्यिक वैविध्य का विश्लेषण।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning ▪ साहित्य का इतिहास दर्शन (साहित्येतिहास) ▪ हिंदी साहित्य का आदिकाल – नामकरण और काल-सीमा। ▪ भारत में भक्ति आंदोलन का उदय। ▪ हिंदी साहित्य का रीतिकाल – नामकरण और काल-सीमा।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading :** • हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी • हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी • हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी **Additional reading :** • हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी • हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह • हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा .डॉ

	• हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र (सं.) • हिन्दी साहित्य युग एवं प्रवृत्तियाँ : : शिवकुमार शर्मा • हिन्दी साहित्य का अतीत1-भाग -, 2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र • हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास-भाग ४ -५ :देवेंद्रनाथ शर्मा, दीनदयाल गुप्ता, विजयेन्द्र स्नातक • हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास भाग ६ - : डॉभागीरथ मिश्र . • हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका : शम्भूनाथ सिंह • रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र • हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे • हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी

Course title	**प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य** **ANCIENT AND MEDIEVAL HINDI POETRY**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAHINC 401
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Friday 09:00 am to 11:00 am, Wednesday 11:00 am to 01:00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Malobika, Dr. Pankaj Singh Yadav(GF)
Course description	**Include the following in the course description** **i)** छात्र मध्यकालीन काव्यबोध-, युगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में कवियों की संवेदना, उनकी सृजन भूमि एवं वर्तमान अर्थवत्ता और भाषिक वैशिष्ट्य से परिचित कराना । **ii) उद्देश्य :** • विद्यार्थियों में मध्यकालीन काव्य दृष्टि को विकसित करना । • आदिकालीन, भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन कवियों के कविताओं का अध्ययन एवं युग बोध की समझ विकसित होगी । • पाठ्य कृतियों के संदर्भ में काव्य एवं लोक भाषा के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता को बढ़ाना। • भक्ति कविता के अखिल भारतीय स्वरूप से परिचय कराकर राष्ट्रीय बोध विकसित करना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** • आदिकालीन-भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि, उसके वैचारिक आधार और स्वरूप को जान पाएंगे । • भक्तिकालीन प्रतिनिधि कवियों और उनके काव्य से परिचित होंगे । • पाठ्य कृतियों के संदर्भ में काव्य आस्वादन और समीक्षा की क्षमता को बढ़ा सकेंगे । • रीतिकालीन प्रतिनिधि कवियों और उनके काव्य से परिचित हो सकेंगे। • भक्तिकालीन और रीतिकालीन कविता की प्रासंगिकता से परिचित होगे । • संगीत चेतना और गायन कौशल हेतु प्रेरित करना । **iii) Learning Outcomes :** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)

	• प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों सामाजिक परिस्थितियों तथा भाषिक वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे। • प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य बोध की दिशा और प्रवृत्तियों की समक्ष को विकसित कर सकेंगे। • पाठ्य कृतियों के संदर्भ में काव्य की संवेदना, संदेश एवं समीक्षा की क्षमता को बढ़ा पायेगे। • प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता के माध्यम से ऐतिहासिक पक्ष को समझ पायेगे। • सामाजिक सरोकार और वैचारिकता में काव्य की भूमिका को समझना। • प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य बोध की समीक्षा की क्षमता को बढ़ाना। **इकाई -1** **आदिकालीन कविता** • सरहपा (राहुल सांकृत्ययान :संपादक) दोहा कोश -। • विद्यापति के गीत-कुल 5 पद…। **इकाई -2** **भक्तिकालीन कविता** • कबीर: हजारी प्रसाद द्विवेदी की पुस्तक (कबीर के परिशिष्ट में संकलित कुल 10 पद एवं दोहे)। • सूरदास: भ्रमरगीत सार (सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल में संकलित कुल 5 पद)। • मलिक मोहम्मद जायसी: जायसी ग्रंथावली(सं. रामचंद्र शुक्ल), नागमती वियोग, खंड तीन कड़वक, उपसंहार से दो कड़वक। • तुलसीदास: रामचारित मानस के उत्तरकाण्ड से 5 दोहे और चौपाई। • मीराबाई: मीराबाई की पदावली (सं. परशुराम चतुर्वेदी) से 4 पद। **इकाई 3-** **रीतिकालीन कविता** • बिहारीलाल: बिहारी रत्नाकर (सं. जगन्नाथदास रत्नाकर) कुल 10 दोहे। • घनानंद: घनानंद कविता (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) कुल पाँच पद।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • सरहपा - दोहा कोश (संपादक: राहुल सांकृत्ययान)। • कबीर: हजारी प्रसाद द्विवेदी की पुस्तक (कबीर के परिशिष्ट में संकलित कुल 10 पद एवं दोहे)। • बिहारीलाल: बिहारी रत्नाकर (सं. जगन्नाथदास रत्नाकर) कुल 10 दोहे।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading** 1. आदिकालीन काव्य : सं. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय, प्रकाशन वाराणसी 2. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी 3. हिन्दी काव्य में निर्गुण संप्रदाय : पीताम्बर बड़थ्वाल 4. जायसी ग्रंथावली (भूमिका) : सं. रामचन्द्र शुक्ल **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** 5. जायसी : विजयदेव नारायण साही 6. विद्यापति : शिवप्रसाद सिंह 7. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी 8. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी 9. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय 10. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल

	11. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 12. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह 13. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी 14. महाकवि सूरदास : नंद दुलारे वाजपेयी 15. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ 16. घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 17. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी 18. सनेह को मारग : इमरै बंगा 19. घनानंद : मनोहर लाल गौड 20. Mithila in the age of Vidyapati : Chaudhary Radhakrishna

Course title	**हिंदी कथा साहित्य : कहानी एवं उपन्यास** **HINDI FICTION : STORIES AND NOVEL**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAHINC 402
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday 09:00 am to 11.00 am & Tuesday/ 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini
Course description	**Include the following in the course description :** i) आधुनिक प्रेमचंद पूर्व युग से लेकर समकालीन हिंदी कहानी/उपन्यास तक की परिवर्तनकारी यात्रा से अवगत कराना है। **ii) उद्देश्य :** ● कथा सृष्टि के स्वरूप के समझ विकसित करना। ● विद्यार्थी रचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे। ● कथा आस्वादन एवं समीक्षात्मक पद्धति से परिचित कराना। ● उपन्यास तथा कहानी विधा के तात्विक स्वरूप से परिचित कराना। ● उपन्यास तथा कहानी के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● उपन्यास के तत्व, स्वरूप और विकास के बारे में जान पाएंगे। ● कहानी के तत्व, स्वरूप और विकास को समझ पाएंगे। ● चयनित उपन्यासों और कहानियों का आस्वादन और विश्लेषण कर सकेंगे। ● कथा के माध्यम से लैंगिक समानता, पर्यावरण और मानवीय मूल्यों के प्रति सजग होंगे। ● व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य में कथा साहित्य की भूमिका को समझ सकेंगे। **iii) Learning Outcomes :** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) & c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) ● इस प्रश्नपत्र से कथा साहित्य की समझ को विकसित करना। ● उपन्यास/कहानी विधा के तात्विक स्वरूप से परिचित हो पायेगे।

	• कथा साहित्य के ऐतिहासिक विकास क्रम महत्व एवं मूल्याकांन करने की क्षमता को विकसित कर पायेंगे। • चयनित कथा साहित्य के माध्यम से सामिजक चिंतन की समक्ष बढ़ेगी। • कथा साहित्य के माध्यम से लैंगिक असमानता मानवीय मूल्य सामाजिक भेदभाव के प्रति जागरूक होगें। • व्यावसायिक परिप्रक्ष्य में कथा साहित्य की भूमिका को समझ सकेंगे। • इस प्रश्नपत्र से प्राप्त दक्षता के द्वारा विद्यार्थी कथा लेखन, पटकथा लेखन का कैशल, संवाद योजना इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। **इकाई-1** • हिंदी कथा साहित्य के विकास की पृष्ठभूमि । • हिंदी उपन्यास । **इकाई-2** **कहानी** • उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी • कफन - प्रेमचंद • परिंदे - निर्मल वर्मा • राजा निरबसिंया – कमलेश्वर • तिरिया चरित्तर - शिवमूर्ति • मोहनदास - उदय प्रकाश **इकाई-3** **उपन्यास** • गोदान - प्रेमचंद • शेखर एक जीवनी - अज्ञेय • बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद द्विवेदी • मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु • रागदरबारी - श्रीलाल शुक्ल
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • हिंदी कथा साहित्य के विकास की पृष्ठभूमि । • उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी • गोदान - प्रेमचंद
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा • कहानी नयी कहानी : नामवर सिंह • हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया : परमानंद श्रीवास्तव • समकालीन हिन्दी कहानी : पुष्पपाल सिंह • कहानी स्वरूप एवं संवेदना : राजेंद्र यादव

	Additional reading : संदर्भ ग्रंथ ● हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपाल राय ● हिन्दी कहानी रचना और परिस्थिति : सुरेंद्र चौधरी ● साधारण की प्रतिज्ञा अंधेरे से साक्षात्कार : सुरेंद्र चौधरी ● समकालीन कहानी दिशा व दृष्टि : सं. धनंजय ● सिलसिला : मधुरेश ● नयी कहानी – संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी ● आज की हिन्दी कहानी : विजय मोहन सिंह ● तेईस हिन्दी कहानियाँ : सं .जैनेंद्र कुमार ● हिन्दी कहानी संग्रह : सं. भीष्म साहनी ● नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर

Course title	**हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम** **HINDI JOURNALISM AND MASS MEDIA**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAHINC 403
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Thursday 09.00 am to11.00 am, Friday 11.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila (PR)
Course description	**Include the following in the course description :** i) वर्तमान समय में हिंदी पत्रकारिता एवं प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यमों की शक्ति की पहचान के लिए इनके व्यवहारिक तथा तकनीकी पक्षों का बोध कराना है । **ii) उद्देश्य :** ● विद्यार्थियों को भाषा और साहित्य के महत्व के प्रति जागरूक करना । ● जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की समझ को विकसित करना । ● जनसंचार माध्यमों के विकास की गति, दिशा, सामाजिक प्रभावों और उसमें पत्रकारिता के स्वरूप को रेखांकित करना। ● पत्रकारिता के विकास और महत्व से परिचित कराना । ● पत्रकारिता और मीडिया लेखन में सक्रिय भागीदारी हेतु सक्षम बनाना । ● पत्र-पत्रिकाओं हेतु सामग्री निर्माण, प्रूफ शोध, पृष्ठ सज्जा एवं संपादन कौशल विकसित करना । **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● पत्रकारिता के स्वरूप, महत्व, उसके प्रकार और आचार संहिता को समझ सकेंगे । ● हिंदी पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित होंगे । ● हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता, प्रमुख पत्रिकाओं और लघु पत्रिका आन्दोलन से परिचित हो सकेंगे । ● पत्रकारिता संबंधी लेखन, संकलन, प्रूफ शोध, पृष्ठ सज्जा एवं संपादन कौशल सीख सकेंगे। ● हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यमों में लेखन, भाषायी विशिष्टता की पहचान करते हुए इनसे

	जुड़े विभिन्न कानूनों और आचार संहिता की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। **iii) Learning Outcomes :** c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) & d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient) ● वर्तमान समय डिजीटल युग है। ● पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यमों से ही आज सभी एक दूसरे से जुडे हुए है। ● ये पाठ्यक्रम विद्यर्थीयों के लिए अत्यंत लाभदायक है। ● पत्रकारिता के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास आयेगा। ● रोजगार के असीम संभावनाएँ इस पाठयक्रम के माध्यम से बनती है। ● रेडियो, टी.वी., इंटरनेट, इस्टाग्राम, फेसबुक आदि अनेक रोजगार की संभावनाएँ पैदा करती है। **इकाई-1** ● पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। ● विश्व पत्रकारिता का उदय। भारत में पत्रकारिता का आरंभ। ● हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास। ● समाचार पत्रकारिता के मूल तत्वसमाचार संकलन तथा - लेखन के मुख्य आयाम। **इकाई-2** ● संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- यथोचितशीषक, शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया। ● समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। ● दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता। **इकाई-3** ● समाचार के विभिन्न स्रोत। ● संवाददाता की अर्हता,श्रेणी एवं कार्य पद्धति। ● पत्रकारिता से संबंधित लेखन- संपादकीय फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार आदि की प्रविधि। **इकाई-4** ● विभिन्न जनसंचार माध्यम। ● इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता - रेडियो, टीवी, इंटरनेट की पत्रकारिता। ● प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, लेआउट तथा पृष्ठ सज्जा। ● पत्रकारिता का प्रबंधन- प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था। **इकाई-5** ● जनसंपर्क तथा विज्ञापन। ● प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। ● लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : ● पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। ● समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। ● संवाददाता की अर्हता,श्रेणी एवं कार्य पद्धति। ● विभिन्न जनसंचार माध्यम।

	• लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण : अरविंद मोहन • समाचारअवधारणा और लेखन प्रक्रिया : : सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान • समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला : डॉ. हरि मोहन • समाचार पत्र, मुद्रण और साज सज्जा : श्याम सुंदर शर्मा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • संपादन कला : केनारायणन .पी. • समाचार संकलन और लेखन : डॉ नंदकिशोर त्रिखा • आधुनिक पत्रकारिता : डॉअर्जुन तिवारी . • हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास : डॉअर्जुन तिवारी . • भूमंडलीकरण और मीडिया : डॉकुमुद शर्मा . • हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेद प्रताप वैदिक • हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका : जगदीश्वर चतुर्वेदी • हिंदी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र • हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास : रमेश जैन • रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर • रेडियो प्रोडक्शन : रॉबर्ट मैक्लिश • पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य : राज किशोर • पत्रिका संपादन कला : रामचंद्र तिवारी • प्रेस विधि : नंदकिशोर त्रिखा • टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप : रेमंड विलियम्स

Course title	**भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र** **INDIAN & WESTERN POETICS**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	e. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAHINC 500
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday 09.00 am to11.00 am, Thursday 11.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini, Dr. Pankaj Singh Yadav (GF)
Course description	**Include the following in the course description :** i) भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का विवेक, विभिन्न आचार्यों की अवधारणाओं की समझ तथा पाश्चात्य कव्यशास्त्र में पश्चिम के प्रमुख साहित्यचिंतकों एवं उनकी साहित्यिक वैचारिक स्थापनाओं से परिचित -

	कराना है। **ii) उद्देश्य :** ● भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराना। ● साहित्यशास्त्र का आस्वादन एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना। ● भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से अवगत कराना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● काव्यलक्षण-, काव्यहेतु-, काव्यप्रयोजन-, काव्य के प्रकार और विभिन्न सिद्धांतों की जानकारी होगी। ● संस्कृत और हिंदी के प्रमुख काव्यशास्त्रियों आलोचकों की साहित्य विषयक-मान्यताओं को समझ पाएंगे। ● पाश्चात्य विचारकों और उनके सिद्धांतों का मूल्यांकनविश्लेषण कर सकेंगे-। ● प्रमुख साहित्यिक वादों को समझ पाएंगे। **iii) Learning Outcomes :** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) ● भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की भूमिका एवं सिद्धातों को समझना। ● साहित्यशास्त्र की महत्ता एवं सटीक समीक्षा की क्षमता को विकसित करना। ● विख्यात आलोचको की स्थापनाओं एवं सैद्धांतिकी को आलोचनात्मक दृष्टि द्वारा गहराई से समझ सकेंगे। ● संस्कृत और हिंदी के प्रमुख आचार्यों को समझने की जानकारी मिलेगी। ● हिंदी आलोचना की प्रवत्ति एवं प्रभाव को समझ पायेगें। ● साहित्यिक कतियों का मूल्यांकन-विश्लेषण में सिद्धहस्त होना। **इकाई-1** ● काव्यलक्षण-, काव्यहेतु-, काव्यप्रयोजन-, काव्य के प्रकार ● अलंकार, रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत का संक्षिप्त परिचय **इकाई-2** ● रस सिद्धांतरस की अवधारणा :, रस का स्वरूप, प्रमुख व्याख्याकार, रस निष्पति, रस के अंग ● ध्वनि सिद्धांत ध्वनि का स्वरूप -, सिद्धांत और ध्वनि भेद **इकाई-3** ● अरस्तू-अनुकृति, त्रासदी और उसके तत्व, विरेचन ● क्रोंचे - अभिव्यंजनावाद ● आई.ए.रिचडर्स - मूल्य सिद्धांत, भाषा के विविध रूप ● टी.एस. इलिएट - परंपरा और व्यक्तित्व का प्रश्न, वस्तुनिष्ठ समीकरण, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, क्लासिक और रोमांटिक **इकाई-4** ● हिंदी के प्रमुख आलोचकों की साहित्य विषयक मान्यताओं का अध्ययन ● रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी और रामविलास शर्मा ● नयी समीक्षा और प्रमुख साहित्यिक वाद ● लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning :

	• पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। • समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। • संवाददाता की अर्हता,श्रेणी एवं कार्य पद्धति। • विभिन्न जनसंचार माध्यम। • लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • भारतीय काव्यशास्त्र- : सत्यदेव चौधरी • पाश्चात्य काव्यशास्त्र- : देवेन्द्रनाथ शर्मा • Literary Criticism Ashort History: Wimsatt and Brooks • Walter Benjamin : Edt. - Terry Egaltom **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • पाश्चात्य काव्यशास्त्र- : देवेन्द्रनाथ शर्मा • साहित्यसिद्धांत- : राम अवध द्विवेदी • हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह • संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास : सुशील कुमार डे • भारतीय साहित्य शास्त्र : गणेश त्र्यंबक देशपांडे • रस प्रक्रिया : शंकरदेव अवतरे • रस मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल • Twentieth Century Criticism : William Handy and Max west book • The Word, the text and the critic : Edward Said • Marxism and art : Solomon Maynard • Marxism and Literature : Raymond Williams • The Philosophy of Art of Kari Marx : M. Lifshtiz • Culture and Society (1780-1950): Raymond Williams • Studies in European Realism : Luckasc • Studies in contemporary Realism: Luckasc • Antomio Gramsi - Selection from culture writings Edt. by David Forgaes and Geffry Nowell Smith